RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

हरियाणा बैच

सेवक बैच

HISTORY

असहयोग आंदोलन

LIVE 10-06-2024 09:00 AM

असहयोग आन्दोलन :

⇒ प्रारम्भ :- 1 अगस्त १९२०

⇒ स्थगित :- १२ फरवरी १९२२

असहयोग आन्दोलन का उद्देश्य :

① खिलाफत आन्दोलन का सम्मान जनक समाधान

② जलियावाला बाग के विरुद्ध न्याय की मांग
हत्याकांड

③ स्वराज की प्राप्ति

⇒ असहयोग का आन्दोलन का प्रस्ताव :- 4 Sep 1920 ई० को I.N.C पार्टी के कलकत्ता विशेष अधिवेशन में

अध्यक्ष :- लाला लाजपत राय

⇒ प्रस्ताव का विरोध :- सी० आर० व लाला लाजपत राय

⇒ असहयोग आन्दोलन की पुष्टि :- दिसम्बर 1920 में नागपुर अधिवेशन में

⇒ असहयोग आन्दोलन के प्रस्ताव से असंतुष्ठ होकर कांग्रेस का त्याग करने वाले नेता

① एनी बेसेंट, मोहम्मद अली जिन्ना, विपिन चन्द्र पॉल, जी॰ एस॰ खापर्डे

⇒ आन्दोलन प्रारम्भ :- 1 अगस्त 1920 ई॰ को :- इसी दिन प्रातः काल में बाल गंगाधर तिलक की मृत्यु हो जाती है

⇒ गांधीजी ने तिलक की मृत्यु पर कहा था कि मेरा सबसे बड़ा पंचाब चला गया।

⇒ बाल गंगाधर तिलक की अर्थी को गांधीजी के साथ किस मुस्लिम नेता ने कंधा दिया था → शौकत अली

⇒ तिलक कभी भी I.N.C पार्टी के अध्यक्ष न बने थे।

⇒ असहयोग आन्दोलन के कार्यक्रमो के दो प्रमुख भाग थे — रचनात्मक, नकारात्मक

① रचनात्मक :-

① राष्ट्रीय स्कूल व कॉलेजो की स्थापना ।
② विवादो के निपटारे के लिए पंचायतो की स्थापना ।
③ चरखा और खादी को लोकप्रिय बनाना।

④ हिन्दू-मुस्लिम एकता बनाये रखना।

⑤ छुआछूत का त्याग व अहिंसा का पालन करना।

② नकारात्मक :-

① सरकारी उपाधियो व सम्मानो को लौटाना।

② सरकारी स्कूल, कॉलेज एवं अदालतो का बहिष्कार

③ सरकारी नौकरियों से इस्तीफा व करो की अदायगी न करना।

④ विदेशी वस्तुओ का वहिष्कार

⑤ सरकार द्वारा आयोजित चुनावो में किसी भी रूप में भाग न लेना।

⇒ वकालत त्याग :- सी० आर० दास, मोती लाल नेहरू, जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, विट्ठलभाई पटेल जैसे प्रतिष्ठित वकीलो ने अपनी वकालत त्याग दी।

⇒ राष्ट्रीय विद्यालयो की स्थापना :-

① काशी विद्यापीठ
② गुजरात विद्यापीठ
③ बिहार विद्यापीठ
④ महाराष्ट्र विद्यापीठ
⑤ जामिया मिलिया विश्वविद्यालय

⇒ बहिष्कार में विदेशी वस्त्रो का बहिष्कार सर्वाधिक सफल रहा था।

⇒ विदेशी वस्त्रो को जलाये जाने पर गांधी जी ने कहा कि विदेशी वस्त्रो की बर्बादी इनके साथ व्यवहार करने का सर्वोत्तम तरीका है।

⇒ रवीन्द्र नाथ टैगोर ने विदेशी वस्त्रो को जलाया जाना एक निष्ठुर बर्बादी बताया था।

✓ ⇒ 22 Sep 1921 को गांधी जी जीवन भर लंगोटी में रहे थे।

⇒ असहयोग आन्दोलन के दौरान गांधी जी कैसर-ए-हिंद, जुलू युद्ध पदक और बोअर पदक वापिस कर दिया।

⇒ 17 Sep 1921 को प्रिंस ऑफ वेल्स के भारत आगमन पर सम्पूर्ण भारत में हड़ताल का आयोजन किया गया जो अखिल भारतीय स्तर की दूसरी हड़ताल थी।